



श्री नेमिनाथ भगवान

(D - 77) में नेमिजुका ङंदा

(राग-भ्याल)

में नेमिजुका ङंदा में साडिभजुका ङंदा, में नेमिजुका (टेक)
नैनयकोर दरसको तरसै, स्वामी पूनभयंदा. में नेमिजुका १
छलों दरभमें सार बतायो, आतम आनंदकंदा;
ताको अनुभव नितप्रति करते, नासै सब दुःख दंदा.
में नेमिजुका २
देत धरम उपदेश भविक प्रति, ईच्छा नाहिं करंदा;
रागरोष मद मोह नही, नहिं क्रोध लोभ छलछंदा.
में नेमिजुका ३
जाको जस कछि सके न क्योंही, ईद इनिंद नरिंदा;
सुभरन भजन सार है 'दानत,' अवर भात सब इंदा.
में नेमिजुका ४